Total number of printed pages–8

1 (Sem–1) HIN

MAHESH CHANDRA DEV GOSWAMI LIBRARY
Date..............
Nowgong Girls' College

2024

HINDI

Paper : HIN0100104

(हिन्दी संप्रेषण)

(Hindī Sampreshan)

Full Marks : 60

Time : 2½ hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में दीजिए : 1×8=8

(क) 'ऊ' ध्वनि के उच्चारण में दोनों ओष्ठ किस स्थिति में होते हैं ?

(ख) 'ह' ध्वनि का उच्चारण किस स्थान से होता है ?

(ग) अभिवादन के रूप में प्रयुक्त होने वाले 'नमस्ते' शब्द का अर्थ क्या है ?

Contd.

(घ) अपना परिचय देते हुए अपने नाम के आगे श्री/श्रीमती लगाना हिन्दी में सही है या गलत?

(ङ) पारिवारिक पत्र-लेखन के सन्दर्भ में अभिवादन के रूप में 'सादर चरणस्पर्श' किस स्थिति में लिखा जाता है?

(च) 'कलम तोड़ना' मुहावरे का अर्थ क्या है?

(छ) 'आसमान टूट पड़ना' मुहावरे का प्रयोग करके एक वाक्य बनाइए।

(ज) 'नाच न जाने आँगन टेढ़ा' लोकोक्ति का प्रयोग किस अर्थ में होता है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से *किन्हीं छः* के उत्तर अत्यन्त संक्षेप में दीजिए : 2×6=12

(क) संप्रेषण के महत्व को दर्शाते हुए *किन्हीं दो* बातों का उल्लेख कीजिए।

(ख) ऐसे चार शब्द बताइए, जिनके अंत में हल्की ही सही-'अ' ध्वनि का उच्चारण होता हो।

(ग) उच्चारण-स्थान और उच्चारण के प्रयत्न की दृष्टियों से 'फ' ध्वनि की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(घ) किसी अनजान व्यक्ति से भेंट होने पर उनकी परिचय-प्राप्ति-हेतु क्या-क्या पूछे जाते हैं, उसका एक नमूना लिखित रूप में प्रस्तुत कीजिए।

(ङ) किसी बस से सफर करते समय भाड़ा चुकाने के सन्दर्भ में कंडक्टर से होने वाली बातचीत का एक छोटा नमूना लिखित रूप में तैयार कीजिए।

(च) अनौपचारिक पत्र की *किन्हीं दो* विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(छ) किसी बैंक की शाखा के प्रबंधक को पत्र लिखते समय संबोधन और स्वनिर्देश के रूप में क्या-क्या लिखे जाते हैं?

(ज) निम्नांकित *दो* वाक्यों को मुहावरेदार रूप में प्रस्तुत कीजिए :

(i) उनसे दुश्मनी करके तुमने अपने लिए भारी संकट मोल ली है।

(ii) कड़ी मेहनत करके आखिर वह स्वावलम्बी हो गया।

(झ) 'नाक' पर बने *किन्हीं चार* मुहावरों का अर्थ-सहित उल्लेख कीजिए।

(ञ) "आम के आम गुठलियों के दाम"—इस लोकोक्ति का अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से *किन्हीं चार* के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 5×4=20

(क) भाषा एवं सम्प्रेषण के पारस्परिक संबंध पर प्रकाश डालिए।

(ख) त-ट, ट-ठ और न-ण—इन ध्वनि-जोड़ों की औच्चारणिक विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

(ग) 'वृक्षारोपण की आवश्यकता' विषय पर दो मित्रों/सहेलियों के बीच होनेवाले वार्तालाप का एक नमूना प्रस्तुत कीजिए।

(घ) नौकरी के लिए साक्षात्कार के प्रारंभ में अपना परिचय कैसे दिया जाना चाहिए, उसका एक लिखित रूप तैयार कीजिए।

(ङ) डॉक्टर और रोगी के बीच के संवाद का एक नमूना प्रस्तुत कीजिए।

(च) अपने निवास-क्षेत्र में अनियमित बिजली-आपूर्ति की समस्या की ओर सम्बद्ध अधिकारी का ध्यान आकर्षित करते हुए गुवाहाटी से प्रकाशित होने वाले 'दैनिक प्रभात' के सम्पादक को एक पत्र लिखिए।

(छ) अर्थ लिखकर निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों मे प्रयोग कीजिए :

ईद का चाँद होना, अँगूठा दिखाना, उल्टी गंगा बहाना, कलेजे पर साँप लोटना, घी के दीये जलाना

(ज) उपयुक्त शीर्षक देकर निम्नलिखित गद्यांश का एक-तिहाई में संक्षेपन कीजिए :

"त्योहारों का मानव-जीवन में विशेष महत्व है। प्रत्येक त्योहार अपने आदर्श की छाप मानव-जीवन में छोड़ता है। त्योहारों के इन उच्च आदर्शों से मानव-जीवन समृद्ध होता है। इस समृद्धता के ही कारण प्रत्येक समाज अपने त्योहारों को हर्षोल्लास के साथ मनाता है। सारे समाज में इन त्योहारों को मनाने की पृथक विधियाँ त्योहार की विशिष्टता की द्योतक हैं। त्योहार अथवा पर्व मानव-समाज के लिए हर्षोल्लास के प्रमुख स्रोत हैं। ये सभी त्योहार व पर्व प्रकृति, पूर्वजों का प्रेरणादायक अतीत, धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराएँ तथा राजनीति के आधार पर बनाए गए हैं। ये त्योहार मानव को आनन्दपूर्वक जीने की प्रेरणा देते हैं। अतः इनको मनाने में मानव अपने जीवन की सार्थकता समझता है। वैसे तो संसार का ऐसा कोई राष्ट्र नहीं है, जहाँ त्योहारों का प्रचलन न हो। परन्तु हमारे राष्ट्र में तो इनकी अपनी निराली ही शान है। यहाँ विभिन्न धर्मों के लोग निवास करते हैं तथा वे अपने-अपने धर्मों के अनुसार इन्हें स्वतंत्रतापूर्वक मनाते हैं। ये त्योहार भारतीय संस्कृति के दर्पण हैं। प्रत्येक त्योहार व पर्व जहाँ एक ओर मानव-समाज को प्रेरणा देता है—वहीं दूसरी ओर यह धार्मिक परंपरा,

सामाजिकता, राष्ट्रीयता, सुख-समृद्धि तथा प्रगति का संदेशवाहक भी बनकर आता है। ये त्योहार राष्ट्र एवं समाज के प्राण भी कहलाते हैं। इनको वास्तविक रूप में मनाया जाना ही राष्ट्र और समाज की हित में रहता है।''

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से *किन्हीं दो* के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) 'सम्प्रेषण' का आशय बताते हुए उसके विविध प्रकारों पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

(ख) जीवन में लक्ष्य-निर्धारण की आवश्यकता को लेकर मामा-भानजे के बीच होनेवाले वार्तालाप का एक लिखित रूप प्रस्तुत कीजिए।

(ग) निम्नलिखित विषयों में से *किसी एक* पर निबन्ध लिखिए :

(i) विद्यार्थी-जीवन में अनुशासन का महत्व

(ii) हिन्दी : देश की एकता की कड़ी

(iii) पर्यावरण की सुरक्षा

(घ) अनुच्छेद-लेखन की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करते हुए 'होनहार बिरवान के होत चीकने पात'—इस कहावत पर एक अनुच्छेद लिखिए।

(ङ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर उसके नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

''स्वावलम्बन अथवा आत्मनिर्भरता दोनों का वास्तविक अर्थ एक ही है—अपने सहारे रहना अर्थात् अपने-आप पर निर्भर रहना। ये दोनों शब्द स्वयं परिश्रम करके, सब प्रकार के दु:ख-कष्ट सह कर भी अपने पैरों पर खड़े रहने की शिक्षा और प्रेरणा देने वाले शब्द हैं। यह हमारी विजय का प्रथम सोपान है। इस पर चढ़कर हम गन्तव्य-पथ पर पहुँच पाते हैं। इसके द्वारा ही हम सृष्टि के कण-कण को वश में कर लेते हैं। गाँधीजी ने भी कहा है कि वही व्यक्ति सबसे अधिक दु:खी है, जो दूसरों पर निर्भर रहता है। मनुस्मृति में कहा गया है—जो व्यक्ति बैठा है उसका भाग्य भी बैठा है और जो व्यक्ति सोता है, उसका भाग्य भी सो जाता है; परन्तु जो व्यक्ति अपना कार्य स्वयं करता है, केवल उसी का भाग्य उसके हाथ में होता है। अत: सांसारिक दु:खों से मुक्ति पाने की रामबाण दवा है—स्वावलम्बन।''

प्रश्नावली :

(i) 'स्वावलम्बन' शब्द का संधि-विच्छेद और 'आत्मनिर्भरता' शब्द में जुड़े प्रत्यय को अलग कीजिए।

(ii) 'स्वावलम्बन' को 'विजय का प्रथम सोपान' क्यों कहा गया है?

(iii) गाँधीजी ने क्यों ऐसा कहा है कि—वही व्यक्ति सबसे अधिक दुःखी है, जो दूसरों पर निर्भर रहता है।

(iv) मनुस्मृति में सन्निविष्ट कथन—'जो व्यक्ति बैठा है, उसका भाग्य भी बैठा है'–का आशय क्या है?

(v) 'स्वावलम्बन' को 'रामबाण दवा' कहने का औचित्य स्पष्ट कीजिए।